



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 441]

नई दिल्ली, बौद्धवार, जुलाई 27, 1995/श्रावण 5, 1917

No. 441]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 27, 1995/SRAVANA 5, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 671 (अ) :—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ककक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर नियम, 1962 का निम्नलिखित और संशोधन करता है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय कर (पन्दहवां संशोधन) नियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय कर नियम, 1962 में,—

(i) नियम 16ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“धारा 10 (23ककक) के अधीन किसी निधि के अनुमोदन के लिए अपेक्षाएं

16 ग (1)—निधि का गठन किसी न्यास के अधीन किया जाएगा और इसके साध्य स्वरूप न्यास विलेख होगा।

(2) निधि में अभिदान कर्मचारियों द्वारा कालिक अभिदान के रूप में किया जाएगा।

(3) धारा 10 के खंड (23 ककक) के अधीन किसी निधि के अनुमोदन के लिए आवेदन उस क्षेत्र या राज्य क्षेत्र पर जिसमें ऐसे लेखे रखे जाते हैं अधिकारिता रखने वाले आयुक्त को प्ररूप सं. 9 में किया जाएगा और ऐसे आवेदन के साथ उसमें उल्लिखित दस्तावेजों भी लगाई जाएंगी।

(4) जहां आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि निधि के मामले में धारा 10 के खंड (23 ककक) में अधिकथित सभी शर्तें पूरी कर दी गई हैं, वह ऐसा समाधान लेखबद्ध करेगा और उस निर्धारण वर्ष या उन निर्धारण वर्षों को जिसके/जिनके लिए अनुमोदन विधि मान्य है, विनिर्दिष्ट करते हुए इस प्रकार अनुमोदन देगा। किन्तु समय में ऐसे निर्धारण वर्ष या तीन से अनधिक निर्धारण वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा।

(5) जहाँ आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि धारा 10 के खंड (23 ककक) में अधिकांश एक या अधिक शर्तें पूरी नहीं की गई हैं वहाँ वह निम्नलिखित में नामजुरी के कारणों को लेख्यरूप करने हुए अनुमोदन के लिए बिना हुए आवेदन को नामजुर करेगा :

परन्तु किसी आवेदन की नामजुरी का कोई आवेदन नुतवाई का अवसर दिए बिना पारित नहीं किया जाएगा ।"

(ii) परिशिष्ट 2 में प्ररूप 8 के पञ्चात निम्नलिखित प्ररूप अतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

"प्ररूप सं. 9

(नियम 16B देखिए)

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23 ककक) के अधीन किसी निधि के अनुमोदन या उन् जारी रखने के लिए आवेदन—

1. संघटन (जिसमें निधि के सदस्य नियोजित हैं) का पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

2. न्यास/निधि के कार्यालय का पता जहाँ लेखे रखे जाते हैं :

3. निधि के उद्देश्य :

4. निधि के स्वामियों/पदाधिकारियों के नाम और पते :

5. निधि में प्रविष्ट किए गए कर्मचारियों के वस और उनकी संख्या :-

(i) भारत में,

(ii) भारत के बाहर :

6. निर्धारण विधिधियाँ :- बाई/सर्जिन जहाँ निर्धारण किया गया और स्थाई लेखा संख्याएँ/नौ बाई आग संख्याएँ

7. निधियों/वापिक अनुवृद्धि का स्त्रोन

8. क्या न्यास उपर्युक्त नद (3) में उल्लिखित प्रयोजनों की पूर्ति के लिए निधियों का संजय करने की प्रस्थापता करता है और यदि ऐसा है तो उसकी सीति :

9. (i) विनिधान की प्रकृति, मूल्य और उसने आय वधित करने हुए उन पद्धतियों के अरीति जिनमें निधियों का विनिधान या विधेय किया जाता है ;

(ii) क्या किन्हीं निधियों का [धारा 11 (5) में विनिधित पद्धतियों में भिन्न] पद्धतियों में विनिधान किया गया है :

में प्रमाणित करता है कि ऊपर की गई जानकारी सेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विज्वाय के अनुसार सही है । मैं निधि में पारित करने वाले निधियों या निधियों में इसके पञ्चात

किसी समय किए गए किसी परिवर्तन को तत्काल संसचित करने का वचनबंध करना है ।

नामजुर

स्थान

वचनाकर

वदनाम

नता

विषय :- आवेदन पत्र (तीन प्रतियों में) निधि पर अधिकांशित रखने वाले आयकर आयुक्त को निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाएगा :-

(i) न्यास की निधन की प्रति जिसमें निधि के रखने का माध्य हो ।

(ii) निधि के प्रारंभ से या पिछले तीन वर्षों के दौरान, इनमें से जो भी कम हो, निधि के क्रियाकलापों के संक्षेप में टिप्पण ।

(iii) निधि के प्रारंभ से या पिछले तीन वर्षों के दौरान, इनमें से जो भी कम हो, निधि के लेखाओं की प्रतियाँ ।"

[सं. 9829/का. सं. 142/16/95 टी.पी.एल.]

अनिरुद्ध कुमार, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 29th July, 1995

### INCOME-TAX

S.O. 671(E).—In exercise of the powers conferred by clause (23AAA) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby make the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fifteenth Amendment) Rules, 1995.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962,

(i) after rule 16B, the following rule shall be inserted, namely:—

"Requirements for approval of a fund under section 10(23AAA).

16C (1) The fund shall be formed under a trust and it shall be evidenced by a trust deed.

(2) The contributions to the fund are to be made by the employees by way of periodical subscription.

(3) The application for approval of any fund under clause (23AAA) of section 10 shall be made in Form No. 9 to the Commissioner having jurisdiction over the area or territory in which the accounts are kept and such application shall be accompanied by the documents mentioned therein.

(4) Where the Commissioner is satisfied that all the conditions laid down in clause (23AAA) of section 10 are fulfilled in the case of the fund, he shall record such satisfaction in writing and grant approval to the fund specifying the assessment year or years for which the approval is valid so however that such approval shall at one time have effect for such assessment year or years not exceeding three assessment years.

(5) Where the Commissioner is satisfied that one or more of the conditions laid down in clause (23AAA) of section 10 are not fulfilled, he shall reject the application for approval, after recording the reasons for such rejection in writing :

Provided that no order of rejection of an application shall be passed without giving an opportunity of being heard.”;

(ii) in Appendix II, after Form No. 8, the following form shall be inserted, namely:—

**“FORM NO. 9**

[See rule 16C]

Application for grant of approval or continuance thereof to a fund under section 10 (23AAA) of the Income-tax Act, 1961

1. Name of the organisation (in which the members of the fund are employed) in full (in block letters);
2. Address of the office of the trust/fund where the accounts are kept;
3. Object of the fund;
4. Names and addresses of trustees/office bearers of the fund :
5. Classes and number of employees admitted to the fund—

(i) in India:

(ii) outside India:

6. Assessment particulars,—

Ward/Circle where assessed and permanent account number/GIR number.

7. Source of funds/annual accretion.

8. Whether the trust proposes to accumulate funds for achievement of the purposes mentioned in item (3) above and if so the manner thereof:

9(i) Details of modes in which the funds are invested or deposited, showing the nature, value and income from the investment:

(ii) Whether any funds have been invested in the modes [other than those specified in section 11(5)]:

I, certify that the information furnished above is true to the best of my knowledge and belief. I, undertake to communicate forthwith any alteration in the terms or in the rules governing the fund made at any time hereafter.

Place.....

Date.....

.....  
(Signature)

.....  
Designation

.....  
Address

Notes : The application form (in triplicate) should be sent to the Commissioner of Income-tax having jurisdiction over the fund along with the following documents:—

- (i) A copy of instrument of trust evidencing the formation of the fund.
- (ii) Notes on activities of the fund since its inception or during the last three years, whichever is less.
- (iii) Copies of accounts of the fund since its inception or during the last three years, whichever is less.

[No. 9829/F. No. 142/16/95-TPL.]

ANIRUDDHA KUMAR, Under Secy.

